Downloaded from www.studiestoday.com

विषय दस

उपनिवेशवाद और देहात

(सरकारी अभिलेखों का अध्ययन)

स्मरणीय बिन्दु-

1. औपनिवेशिक शासन- सर्वप्रथम बंगाल में स्थापित किया गया।
2. 1793 में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया- उस समय कार्नवालिस बंगाल का गवर्नर जनरल था।
3. इस्तमरारी बन्दोबस्त लागू करने के बाद प्रारंभिक दशकों में जमींदार अपने राजस्व को अदा करने में बराबर कोताही बरतते रहे, जिसके परिणामस्वरूप राजस्व को बकाया रकमें बढ़ती गई।
4. कम्पनी द्वारा जमींदारों को पूरा महत्व देना। पर वह उन्हें नियंत्रित तथा विनियमित करके उनकी सत्ता को अपने वश में रखना और उनकी स्वायत्ता को सीमित करना भी चाहती थी।
5. **'रैयत'** - शब्द का प्रयोग अंग्रेजों के विवरणों में किसानों के लिए किया जाता था।
6. **'जोतदार'** - धनी किसानों को कहते थे।
7. **'पाँचवी रिपोर्ट'** - एक ऐसी रिपोर्ट है जो एक प्रवर सीमित द्वारा तैयार की गई थी। यह रिपोर्ट भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के स्वरूप पर ब्रिटिश संसद में 1813 में गंभीर वाद-विवाद का कारण बनी।
8. पहाड़िया लोग मुख्य रूप से झूम खेती करते थे। वे जंगलों से महुआ के फूल, रेशम के कोया और राल तथा काठकोयला बनाने के लिए लकड़ियाँ इकट्ठी करते थे। व्यापारी लोग भी इन पहाड़ियों द्वारा नियंत्रित रास्तों का प्रयोग करने हेतु कुछ पथकर दिया करते थे। पहाड़ी लोगों को पहाड़िया इसलिए कहा जाता कि वे राजमहल की पहाड़ियों के आस-पास रहा करते थे।
9. 1780 के दशक में भागलपुर के कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड ने शांति स्थापना की नीति प्रस्तावित की - जिसके अनुसार पहाड़िया मुखियाओं को एक वार्षिक भत्ता दिया जाना था और बदले में उन्हें अपने आदमियों का चाल-चलन ठीक रखने की जिम्मेदारी दी गयी।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. 1780 में दशक के आस-पास संथाल लोग बंगाल में आने लगे थे। 1850 के दशक तक संथाल लोग यह महसूस करने लगे थे कि अपने लिए आदर्श संसार का निर्माण करने के लिए औपनिवेशिक राज के विरूद्ध विद्रोह करना होगा।

10. बुकानन एक चिकित्सक था। वह भारत आया तथा 1794 से 1815 तक उसने बंगाल चिकित्सा सेवा में कार्य किया। बंगाल सरकार के अनुरोध पर उसने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूमि का व्यापक सर्वेक्षण किया था।

11. बम्बई दक्कन में जो राजस्व प्रणाली लागू की गई – उसे 'रैयतवारी' कहा जाता है। यह प्रणाली बंगाल में लागू (इस्तमरारी बंदोबस्त) के विपरीत थी। इस प्रणाली के अन्तर्गत राजस्व की राशि रैयत के साथ तय की जाती थी। 1832-34 के वर्षो में देहाती इलाके अकाल की चपेट में आकर बरबाद हो गये। दक्कन का एक तिहाई पशुधन मौत के मुंह में चला गया और आधी मानव संख्या की मौत के घाट उतर गई।

12. कपास आपूर्ति संघ 1857 और मैनचेस्टर कॉटन कंपनी 1859 का उद्देश्य था – दुनिया के हर भाग में कपास के उत्पादन को प्रोत्साहित करना। जिससे कंपनी का विकास हो सके।

13. 1859 में अंग्रेजों ने एक परिसीमन कानून पारित किया – इसमें यह कहा गया कि ऋणदाता ओर रैयत के बीच हस्ताक्षरित ऋणतंत्र केवल तीन वर्षों के लिए ही मान्य है तो इस कानून का उद्देश्य – बहुत समय तक ब्याज को संचित होने से रोकना था।

14. जब विद्रोह दक्कन के फैला तो शुरू में बम्बई की सरकार उसे गंभीरतापूर्वक लेने को तैयार नहीं थी, लेकिन भारत सरकार के दबाव के कारण बम्बई की सरकार ने दंगों की छानबीन करने के लिए दक्कन दंगा आयोग बैठाया। आयोग की रिपोर्ट 1878 में ब्रिटिश संसद में पेश की गई।

अति लघु प्रश्न 2 अंक वाले

1. साधारणतया स्थायी बन्दोबस्त के अन्तर्गत नीलामी में किस प्रकार के लोग भाग लेते थे?

2. इस्तमरारी बंदोबस्त में किस प्रकार जमीदारों की नयी परिभाषा विकसित हुई?

3. फ्रांसिस बुकानन ने किस वर्ग को 'जोतदार' कह कर परिभाषित किया है?

4. 1813 में ब्रिटिश संसद में पेश की गई 'पांचवीं रिपोर्ट' कंपनी के प्रशासन के किन क्रियाकलापों का संकलन है?

5. बुकानन के वर्णन से राजमहल की पहाड़ियों के निवासियों का ब्रिटिश अधिकारियों के प्रति रवैये के बारे में क्या पता चलता है?

6. राजमहल की पहाड़ियों के निवासियों ने जीवन निर्वाह के लिए किन तरीकों को अपनाया?

7. रिकॉर्डो कौन था? उसके मुख्य विचारों का उल्लेख कीजिए

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

8. किस प्रकार ऋणताओं ने 1859 में पारित परिसमीन कानून को घुमाकर अपने पक्ष में कर लिया? दो बिंदु दीजिए।

9. रैयतवारी राजस्व प्रणाली से क्या तात्पर्य है? दो बिन्दु दीजिए।

10. परिसीमन कानून कब व किसके द्वारा पारित किया गया तथा इसका उद्देश्य क्या था?

11. ऋणदाताओं द्वारा रैयतों को ठगने के लिये अपनाए जाने वाले किन्हीं दो तरीकों का उल्लेख कीजिए।

12. बंगाल विजय के पश्चात 1770 के दशक तक कम्पनी के समक्ष कौन सी समस्याएँ आई? दो बिन्दु दीजिए।

लघु प्रश्न 5 अंक वाले

1. स्थायी बन्दोबस्त किसके द्वारा लागू किया गया? इसकी मुख्य धाराओं का उल्लेख कीजिए।

2. कंपनी जमीदारों के नये वर्ग से क्या अपेक्षा रखती थी? स्पष्ट कीजिए।

3. राजस्व किस अधिकारी द्वारा एकत्रित किया जाता था और इसमें क्या-क्या समस्याएं आती थी? स्पष्ट कीजिए।

4. 1770 और 1780 के दशक में ब्रिटिश अधिकारियों का राजमहल के पहाड़ियों के प्रति क्या रवैया था? स्पष्ट कीजिए।

5. बुकानन के विवरण को पढ़ते समय हमें क्या सावधानी बरतनी चाहिए? विस्तार पूर्वक लिखिए।

6. जो राजस्व प्रणाली बम्बई दक्कन में लागू की गई वह बंगाल में लागू की गई प्रणाली से किस प्रकार भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।

7. ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संथालों के विद्रोह के क्या कारण थे? वर्णन कीजिए।

8. दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

9. इस्तमरारी बंदोबस्त का आम रैयत पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

10. जमींदार रैयत लोगों का किस प्रकार शोषण करते थे? स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ प्रश्न 10 अंक वाले

1. कंपनी जमींदारों को किन उपायों द्वारा नियंत्रित व विनियमित करती थी? इन उपायों की विवेचना कीजिए।

2. इंग्लैण्ड में कंपनी के क्रियाकलापों पर 1760 के दशक से ही बहुत बारीकी से नजर रखी जाती

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

थी। ऐसा करने के पीछे कया उद्देश्य थे? इनकी व्याख्या कीजिए।

3. कंपनी के लिए संथाल किस प्रकार आदर्श बाशिंदे प्रतीत हुए? कंपनी ने स्थानीय पहाड़ियों के स्थान पर इन्हें क्यों चुना? कारणों की समीक्षा कीजिए।

4. इस्तमरारी बंदोबस्त को बंगाल के अलावा भारत के अन्य हिस्सों में लागू क्यों नहीं किया गया? इससे 'रैयत' की स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

5. बम्बई दक्कन में पहला राजस्व बन्दोबस्त कब और कौन सा किया गया था। यह किस प्रकार किसानों के ऋण की वृद्धि का कारण बना? वर्णन कीजिए।

6. ब्रिटिश भूराजस्व नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

7. भारत में रैयत समुदाय के जीवन पर अमरीकी गृहयुद्ध का क्या प्रभाव हुआ? स्पष्ट कीजिए।

स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित अनुच्छेदों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनके अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सावधानी से दीजिए।

2. दिनाजपुर के जोतदार

बुकानन ने बताया कि उत्तरी बंगाल के दिनाजपुर जिले के जोतदार किस प्रकार ज़मीदार के अनुशासन का प्रतिरोध और उसकी शक्ति की अवहेलना किया करते थे।

भूस्वामी इस वर्ग के लोगों को पसंद नहीं करते थे लेकिन यह स्पष्ट है कि इन लोगों का होना बहुत ज़रूरी था क्योंकि इनके बिना, जरूरतमंद काश्तकारों को पैसा उधार कौन देता.....

जोतदार, जो बड़ी-बड़ी जमीनें जोतते हैं बहुत ही हठीले और जिद्दी हैं और यह जानते हैं कि जमींदारों का उन पर कोई वश नहीं चलता। वे तो अपना राजस्व के रूप में कुछ थोड़े से रुपये ही दे देते हैं और लगभर हर किस्त में कुछ न कुछ बकाया रकम रह जाती है। उनके पास उनके पट्टे की हकदारी से ज्यादा जमींने हैं। जमींदार की रकम के कारण, अगर अधिकारी उन्हें कचहरी में बुलाते थे और उन्हें डराने-धमकाने के लिए घंटे-दो-घंटें कचहरी में रोक लेते हैं तो वे तुरंत उनकी शिकायत करने के लिए फौजदारी थाना (पुलिस थाना) या मुन्सिफ़ की कचहरी में पहुँच जाते हैं और कहते हैं कि जमीदार के कारिंदों न उनका अपमान किया है। इस प्रकार राजस्व की बकाया रकमों के मामले बढ़ते जाते हैं और जोतदार छोटे-छोटे रैयत को राजस्व न देने के लिए भड़काते रहते हैं.....

1. जोतदार से क्या तात्पर्य है? जमीदारों की सत्ता का किस प्रकार प्रतिरोध किया करते थे? 2

2. जोतदारों को कौन से भिन्न-भिन्न नामों से जाना जाता था? 2

3. जोतदारों की शक्ति जमीदारों की ताकत की अपेक्षा किस प्रकार अधिक प्रभावशाली होती थी? 2

4. जोतदारों के उदय से जमीदारों पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए। 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2 रैयत अर्जी।

नीचे एक याचिका का उदाहरण दिया गया है जो करजत तालुकों के मीरगांव के एक रैयत द्वारा कलेक्टर अहमदनगर, दक्कन दंगा आयोग को दी गई थी :- साहूकार लोग काफी दिनों से हम पर अत्याचार कर रहे हैं। चूंकि हम अपना खर्च चलाने के लिए काफी मात्रा में पैसा नहीं कमा सकते, इसलिए हम उनसे पैसा, कपड़ा ओर अनाज मांगने के लिए मजबूर हो गए हैं। उनसे हमें ये चीजें मिलती जाती हैं। पर बड़ी कठिनाई से और उसके लिए हमें उनके साथ कड़ी शर्तों पर बंधपत्र लिखने के लिए मजबूर होना पड़ता है इसके अलावा कपड़ा ओर अनाज को नकद दरों पर नहीं बेचा जाता।

हमसे जो कीमतें माँगी जाती है वह नकदी कीमत चुकाने वाले ग्राहकों की अपेक्षा आमतौर पर 25 से 50 प्रतिशत अधिक होती है।.... हमारे खेतों की उपज भी साहूकार ले जाते हैं, उपज ले जाते समय तो वे हमें यह आश्वासन देते हैं इसकी कीमत हमारे खाते में जमा कर दी जाएगी लेकिन वे हमारे खाते में ऐसा कोई उल्लेख नहीं करते। वे जब हमारे उपज ले जाते हैं तो बदले में कोई रसीद भी नहीं देते।

1. रैयत साहूकारों के प्रति क्यों असंतुष्ट थे? स्पष्ट कीजिए। 2
2. किसानों को कोई रसीद क्यों नही दी जाती थी? 2
2. परिसीमन कानून कब किसने और क्यों पारित किया? 2
3. रैयत इस अर्जी में साहूकारों के विरुद्ध क्या शिकायत कर रहा है? वर्णन कीजिए। 2

3. वनों की बटाई और स्थायी कृषि के बारे में

निचली राजमहल की पहाड़ियों में एक गांव से गुजरते हुए बुकानन ने लिखा :-

इस प्रदेश का दृश्य बहुत ही बढ़िया है, यहाँ की खेती विशेष रूप से घुमावदारी संकरी घाटियों में धान की फसल, बिखरे हुए पेड़ों के साथ की गई जमीन और चट्टानी पहाड़ियों सभी अपने आप में पूर्ण है, कमी है तो बस इस क्षेत्र में कुछ प्रगति की और विस्तृत तथा उन्नत खेती की, जिनके लिए यह प्रदेश अत्यंत संवेदनशील है। यहाँ लकड़ी की जगह टसर और लाख के लिए आवश्यकतानुसार बड़े-बड़े बाग लगाए जा सकते हैं। बाकी जंगल को भी साफ किया जा सकता है, और जो भाग इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त न हो वहाँ पनई ताड़ और महुआ के पेड़ लगाए जा सकते हैं।

1. बुकानन कौन था? 1
2. भारतीय गांवों के बारे में बुकानन के विचारों का उल्लेख कीजिए। 3
3. बुकानन द्वारा भूमि निरीक्षण करने से अंग्रेजों के किन स्वार्थों की पूर्ति हुई? 2
4. बुकानन ने राजमहल की पहाड़ियों को अपने आप में पूर्ण क्यों कहा? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय ग्यारह

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

स्मरणीय बिन्दु-

1. 10 मई 1857 को यह आंदोलन मेरठ छावनी से प्रारंभ हुआ।
2. 1857 के प्रमुख कारण-राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक व सैनिक थे। तात्कालिक कारण-चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग था।
3. 1857 के विद्रोह के प्रमुख नेता थे- नाना साहिब, रानी लक्ष्मीबाई, बहादुरशाह जफर, मौलवी अहमदुल्ला शाह, शाह मल इत्यादि।
4. अवध को 'बंगाल आर्मी की पौधशाला' कहा जाता था।
5. लॉर्ड डलहौज़ी ने 1851 में अवध की रियासत के लिए यह कहा- कि 'ये गिलास फल (Cherry) एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा'।
6. लॉर्ड विलियम बेंटिंक ने पश्चिमी शिक्षा पश्चिमी विचारों और पश्चिमी संस्थानों के जरिए भारतीय समाज को 'सुधारने' के लिए सती प्रथा के खत्म करने (1829) और हिंदू विधवा को वैधता देने के लिए कानून बनाए थे। भारतीय समाज के कुछ तबकों की मदद में बेंटिंक ने अंग्रेजी माध्यम के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्थापित किए।
7. अंग्रेजों ने कुछ बहानों के जरिए शासकीय दुर्बलता और दत्तकता (गोद लेना) को अवैध घोषित करके झांसी और सतारा तथा अन्य बहुत सारी रियासतों को अपने क़ब्ज़े में कर लिया।
8. चर्बी वाले कारतूसों और दूसरी अफ़वाहों ने भारतीय स्वतंत्रता के बीज को बो दिये।
9. 1801 में अवध में सहायक संधि थोप दी गई इसकी शर्तें थी- नवाब अपनी सेना खत्म कर दे, रियासत में अंग्रेजी टुकड़ियों की तैनाती की इजाज़त दे और दरबार में मौजूद ब्रिटिश रेजीडेंट की सलाह पर काम करे।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. **फ़िरंगी** – फारसी भाषा का शब्द है जो संभवतः फ्रैंक (जिससे फ्रांस का नाम पड़ा है) से निकला है। इसे उर्दू और हिंदी में पश्चिमी लोगों का मजाक उड़ाने के लिए कभी-कभी इसका प्रयोग अपमानजनक नज़रिए से भी किया जाता है।

11. **रेजीडेंट**-ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी काल से ही रेजीडेंट गर्वनर जनरल के प्रतिनिधि को कहा जाता था उसे ऐसे राज्य में तैनात किया जाता था। जो अंग्रेज़ों के सीधे शासन के तहत नहीं था।

12. 1857 का विद्रोह कई कारणों से सफल न हो सका। परन्तु इस विद्रोह के परिणाम 90 वर्ष बाद रंग लाये और भारत को 15 अगस्त 1947 को साम्राज्यवादी सत्ता से मुक्ति मिली।

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. 'अंग्रेजों' की अवध पर क़ब्ज़े की दिलचस्पी क्यों बढ़ती जा रही थी? स्पष्ट कीजिए।
2. 1857 के विद्रोह की शुरुआत कब और कहाँ हुई?
3. 'फिरंगी' किस भाषा का शब्द है और यह नाम किसको दिया गया?
4. 1857 के विद्रोह में बेगम हजरत महल का क्या योगदान रहा स्पष्ट कीजिए?
5. अवध में सहायक संधि कब और किसके द्वारा लागू की गई?
6. 1857 के विद्रोह के समय अंतिम मुगल बादशाह कौन था तथा उसकी राजधानी विद्रोह का केन्द्र क्यों बनी?
7. वे कौन सी रियासतें थी जिन्हें अंग्रेजों ने शासकीय दुर्बलता और दत्तकता को अवैध घोषित कर देने जैसे बहानों के जरिए अपनी झोली में डाला?

लघु प्रश्न (5 अंकों वाले)

1. 1857 में फैली अफ़वाहों को ब्रिटिश नीति को किस प्रकार प्रभावित किया? वर्णन कीजिए।
2. 1857 के विद्रोह से पूर्व भारतीय सैनिकों की अंग्रेजी शासन के विरुद्ध क्या शिकायतें थीं? वर्णन कीजिए।
3. '1857 में विद्रोहियों द्वारा जारी की गई घोषणाओं में जाति और धर्म का भेद किए बिना समाज के सभी वर्गों का आह्वान किया जाता था।'' विवेचना कीजिए।
4. 1857 का विद्रोह मात्र एक सैनिक विद्रोह न होकर किसानों, जमींदारों और आदिवासियों और शासकों का विद्रोह था। स्पष्ट कीजिए।
5. सहायक संधि से क्या अभिप्राय है? यह सबसे पहले किस शासक पर थोपी गई? इस संधि

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

की मुख्य शर्तों का वर्णन कीजिए।

6. 1857 के विद्रोह को कुचलने के लिए अंग्रेजी द्वारा उठाये गये कदमों की विवेचना कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (10 अंक वाले)

1. अवध की रियासत का अधिग्रहण क्यों किया गया? इसके कारणों का वर्णन कीजिए।
2. अवध की रियासत छिन जाने से किसानों, ताल्लुकदारों तथा जमींदारों में रोष क्यों था? विवेचना कीजिए।
3. 1857 के विद्रोह की अफवाहों और भविष्यवाणियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
4. 1857 के विद्रोह के प्रमुख कारण क्या थे? इसमें अफवाहों और भविष्यवाणियों के योगदान की समीक्षा कीजिए।
5. '1857 के विद्रोह को कुचलना अंग्रेजों के लिए बहुत आसान साबित नहीं हुआ' उपयुक्त उदाहरणों से इस कथन की पुष्टि कीजिए।
6. किन तत्वों के आधार पर विद्रोही नेताओं ने कहा कि अंग्रेजी पर भरोसा नहीं किया जा सकता ? उत्तर की पुष्टि तर्क देकर कीजिए।
7. उन साक्ष्यों की समीक्षा कीजिए जिनसे विदित होता है कि विद्रोही योजनाबद्ध तथा समन्वित तरीके से काम कर रहे थे।

स्रोत पर आधारित प्रश्न (8 अंक वाले)

आजमगढ़ घोषणा, 25 अगस्त 1857

व्यापारियों के बारे में:- इस अधर्मी और षड्यंत्रकारी ब्रिटिश सरकार ने नील, कपड़े जहाज व्यवसाय जैसी तमाम बेहतरीन और बहुमूल्य चीजों के व्यापार पर एकाधिकार स्थापित कर लिया है। अब छोटी-मोटी चीजों का व्यापार ही लोगों के लिए रह गया है...। डाक खर्चे नाका वसूली और स्कूलों के लिए चन्दे के नाम पर व्यापारियों के मुनाफ़े में से सेंधमारी जा रही है। इन तमाम रियासतों के बावजूद व्यापारियों को दो कौड़ी के आदमी की शिकायत पर गिरफ्तार किया जा सकता है, बेइज़्ज़त किया जा सकता है। जब बादशाही सरकार बनेगी तो इन सारे फरेबी तौर-तरीकों को ख़त्म कर दिया जाएगा और जमीन व पानी, दोनों रास्तों में होने वाले हर चीज का व्यापार भारत के देशी व्यापारियों के लिए खोल दिया जाएगा....। इसलिए यह हर व्यापारी की जिम्मेदारी है कि वह इस जंग में हिस्सा ले और बादशाही सरकार की हर इनसानी और माली मदद करे....।

सरकारी कर्मचारियों के बारे में:- अब यह राज की बात नहीं है कि अंग्रेज सरकार के तहत प्रशासनिक और सैनिक सेवाओं में भर्ती होने वाले भारतीय लोगों को इज़्ज़त नहीं मिलती, उनकी तनख़्वाह कम होती है और उनके पास कोई ताकत नहीं होती। दोनों महकमों में प्रतिष्ठा और पैसे वाले सारे पद सिर्फ अंग्रेज़ों को मिलते हैं....। इसलिए ब्रिटिश सेवा में काम करने वाले तमाम भारतीयों को मज़हब और दिल पर ध्यान देना चाहिए और अंग्रेजों के प्रति वफादारी छोड़कर बादशाही सरकार का साथ देना

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

चाहिए। उन्हें फिलहाल 200 और 300 रुपये प्रतिमाह की तनख़्वाह मिलेगी और भविष्य में ऊंचे ओहदे की उम्मीद रखें.....।

कारीगरों के बारे में:- इसमें कोई शक नहीं कि इंग्लैंड में बनी चीज़ों को ला-लाकर यूरोपीयों ने हमारे बुनकरों, सूती वस्त्र बनाने वालों, बढ़इयों और मोचियों आदि को बेरोजगार कर दिया है, उनके काम-धन्धों पर इस तरह कब्ज़ा जमा लिया है कि देसी कारीगरों की हर श्रेणी भिखमंगों की हालत में पहुँच गई है। बादशाही सरकार में देसी कारीगरों को राजाओं और अमीरों की सेवा में तैनात किया जाएगा। जिससे नि:संदेह उनकी उन्नति होगी। इसलिए इन कारीगरों को अंग्रेज़ों की सेवा छोड़ देनी चाहिए।

1. ब्रिटिश सरकार की किन नीतियों से व्यापारियों का शोषण हुआ? स्पष्ट कीजिए। 2
2. भारतीयों को सरकारी सेवाओं में इज्ज़त न मिलने के क्या कारण हैं? 2
3. सरकारी कर्मचारियों को ऐसा क्यों लगा कि उन्हें अंग्रेजों के प्रति अपनी वफादारी छोड़कर बादशाही सरकार का साथ देना चाहिए। 2
4. विद्रोही घोषणा में बार-बार किस बात के लिए अपील की गई? 2

2. ताल्लुक़दारों की सोच

ताल्लुक़दारों के रवैये को रायबरेली के पास स्थित कालाकंकर है के राजा हनवन्त सिंह ने सबसे अच्छी तरह व्यक्त किया था। विद्रोह के दौरान हनवन्त सिंह जी एक अंग्रेजी अफ़सर को पनाह दी। और उसे सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया था। उस अफसर से आखिरी मुलाकात में हनवन्त सिंह ने कहा कि-

साहिब, आपके मुल्क के लोग हमारे देश में आए और उन्होंने हमारे राजाओं को खदेड़ दिया। आप अफ़सरों को भेज कर जिले-जिले में जागीरों के मालिकाने की जाँच करवाते हैं। एक ही झटके में आपने मेरे पुरखों की जमीन मुझसे छीन ली। मैं चुप रहा। फिर अचानक आपका बुरा वक़्त शुरू हो गया। यहाँ के लोग आपके खिलाफ उठ खड़े हुए। तब आप मेरे पास आए, जिसे आपने बर्बाद किया था। मैंने आपकी जान बचाई है। लेकिन अब, मैं अपने सिपाहियों को लेकर लखनऊ जा रहा हूँ ताकि आपको देश से खदेड़ सकूँ।

1. किन लोगों ने अंग्रेज अफसर के खिलाफ आवाज उठाई? 2
2. राज हनवन्त सिंह ने किस प्रकार अंग्रेज़ अफ़सर की सहायता की? 2
3. हनवन्त सिंह के अनुसार लोग नाराज क्यों थे? 2
4. तालुकदारों के बेदखल किए जाने का क्या परिणाम हुआ? स्पष्ट कीजिए। 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय बारह

औपनिवेशिक शहर

नगरीकरण, नगर योजना, स्थापत्य

स्मरणीय बिन्दु-

1. सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियों में मुग़लों द्वारा बनाए गए शहर जनसंख्या के केन्द्रीकरण, अपने विशाल भवनों तथा शाही शोभा व समृद्धि के लिए जाने जाते थे। शाही प्रशासन और सत्ता के महत्वपूर्ण केन्द्र- आगरा, दिल्ली तथा लाहौर थे।
2. दक्षिण भारत के नगरों जैसे - मदुरई और काँचीपुरम् में मुख्य केंन्द्र मंदिर होता था।
3. यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों ने पहले मुगल काल में ही विभिन्न स्थानों पर आधार स्थापित कर लिये थे- पुर्तगालियों ने 1510 में पणजी में डचों ने 1605 में मछलीपट्नम में अंग्रेजों ने मद्रास में 1639 में तथा फ्रांसीसियों ने 1673 में पांडिचेरी (आज का पुदुचेरी) में।
4. अखिल भारतीय जनगणना का पहल प्रयास- 1872 में किया गया। इसके बाद 1881 से दशकीय (हर 10 साल में होने वाली) जनगणना एक नियमित व्यवस्था बन गई।
5. भारत में शहरीकरण का अध्ययन करने के लिए जनगणना से निकले आंकड़े एक बहुमूल्य स्रोत हैं।
6. रेलवे नेटवर्क के विस्तार के बाद रेलवे वर्कशॉप और रेलवे कॉलोनियों को भी स्थापना शुरू हो गई थी।
7. 18वीं सदी तक मद्रास, कलकत्ता और बम्बई महत्वपूर्ण बंदरगाह बन चुके थे। ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कारखाने इन्हीं बस्तियों में बनाए और यूरोपीय कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण सुरक्षा के उद्देश्यों से इन बस्तियों की क़िलेबंदी कर दी।
8. ब्रिटिश आबादी के प्रमुख इलाके थे- मद्रास में फ़ोर्ट सेंट जॉर्ज, कलकत्ता में फ़ोर्ट विलियम और बम्बई में फ़ोर्ट।
9. **पेठ** - एक तमिल शब्द हैं जिसका अर्थ है - बस्ती। जबकि पुरम शब्द गाँव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. चॉल – ये बहुमंजिल इमारत होती थी। इसमें एक एक कमरे वाली आवसीय इकाइयाँ बनाई जाती थी। यह बम्बई में बनाई जाती थी। इन इमारतों में बहुत थोड़ी जगह में बहुत सारे परिवार रहते थे।

11. यूरोपीय और भारतीयों के लिए शुरू से ही अलग क्वॉटर बनाए गए थे। उस समय के लेखन के अनुसार व्हाइट टाऊन (गोरा शहर) और ब्लैक टाऊन (काला शहर) के नाम से उद्धृत किया जाता था।

12. औपनिवेशिक शहरी विकास का एक खास पहलू छावनियों की तरह हिल स्टेशन थे। हिल स्टेशन – फ़ौजियों को ठहराने, सरहद की चौकसी करने और दुश्मन के खिलाफ हमला बोलने के लिए तथा औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्थान थे।

13. आधुनिक नगर विभाजन की शुरूआत औपनिवेशिक शहर कलकत्ता से हुई।

14. बम्बई में नव गॉथिक शैली का चलन बढ़ता चला जा रहा था। 20वीं सदी में एक नई मिश्रित स्थापत्य शैली विकसित हुई जिससे भारतीयों और यूरोपीय देशों की शैलियों के तत्व थे। इस शैली को **इंडो- सारासेनिक** शैली का नाम दिया गया इंडो शब्द ''हिन्दू' का संक्षिप्त रूप था। जबकि ''सारासेन'' शब्द यूरोप के लोग मुसलमानों को संबोधित करने के लिए इस्तेमाल करते थे। यहाँ की मध्यकालीन इमारतों, गुम्बदों, छतरियों, जालियों, मेहराबों से यह शैली काफी प्रभावित हुई। यह ज्यादातर मद्रास में फली-फूली।

15. 1911 राजा जॉर्ज पंचम और उसकी पत्नी मेरी के स्वागत के लिये गेट वे ऑफ इंडिया बनाया गया। यह परंपरागत गुजराती शैली का बेहतरीन नमूना है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक वाले)

1. व्हाइट टाऊन और ब्लैक टाऊन से क्या अभिप्राय है?
2. भारत में आने वाली विभिन्न यूरोपीय कंपनियों ने सबसे पहले अपने व्यापार कब और कहाँ स्थापित किए?
3. कस्बा व गंज से क्या अभिप्राय है?
4. पेठ व पुरम शब्द से क्या अभिप्राय है?
5. हिल स्टेशनों की स्थापना क्यों की गयी?
6. औपनिवेशिक शहरों की एक सामान्य विशेषता लिखिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंको वाले)

1. 18वीं शताब्दी में नगरों के स्वरूप में मुख्य रूप से क्या-क्या परिवर्तन हुए? स्पष्ट कीजिए।
2. अखिल भारतीय जनगणना के महत्व का वर्णन कीजिए।
3. मद्रास का विकास किस प्रकार हुआ? स्पष्ट कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

4. नव-गॉथिक शैली से क्या अभिप्राय है? इसके मुख्य उदाहरण दीजिए।
5. कलकत्ता (कोलकाता) शहर के विकास का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
6. शहरों के स्वरूप को बदलने में रेलवे ने क्या योगदान दिया? स्पष्ट कीजिए।
7. उन्नीसवीं सदी में नगर नियोजन को प्रभावित करने वाली चिंताएँ कौन-कौन सी थी?

दीर्घ प्रश्न (10 अंक वाले)

1. इमारतें और स्थापत्य शैलियाँ क्या बताती हैं? विवेचना कीजिए।
2. औपनिवेशिक भारत में सार्वजनिक इमारते बनाते समय कौन-कौन सी स्थापत्य शैलियों का प्रयोग किया गया? प्रत्येक शैली उदाहरण सहित समझाइए।
3. उन्नीसवीं सदी में वह कौन सी चिताएँ थीं जिन्होनें नगर योजना को प्रभावित किया? विवेचना कीजिए।

स्रोत पर आधारित प्रश्न (8 अंक वाले)

1. ग्रामीण क्षेत्रों की ओर पलायन

1857 में ब्रिटिश सेना द्वारा शहर पर अधिकार करने के बाद शहर पर अधिकार करने के बाद दिल्ली के लोगों ने क्या किया, इसका वर्णन प्रसिद्ध शायर मिर्ज़ा ग़ालिब इस प्रकार करते हैं:

दुश्मन को पराजित करने और भगा देने के बाद, विजेताओं (ब्रिटिश) ने सभी दिशाओं से शहर को उजाड़ दिया। जो सड़क पर मिले उन्हें काट दिया गया...। दो से तीन दिनों तक कश्मीरी गेट से चाँदनी चौक तक शहर की हर सड़क युद्धभूमि बनी रही। तीन द्वार- अजमेरी, तुर्कमान तथा दिल्ली- अभी भी विद्रोहियों के क़ब्जे में थे...। इस प्रतिशोधी आक्रोश तथा घृणा के नंगे नाच से लोगों के चेहरों का रंग उड़ गया, और बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएँ,.... इन तीनों द्वारों से हड़बड़ा कर पलायन करने लगे। शहर के बाहर छोटे गाँवों और देवस्थलों में शरण ले अपनी वापसी के अनुकूल समय का इंतजार करते रहे।

1. 1857 का विद्रोह कब और कहाँ से शुरू हुआ? 1
2. 1857 के विद्रोह के समय मुगल बादशाह का नाम बताइए। 1
3. दुश्मन को पराजित करने के बाद विजेताओं (ब्रिटिश) ने किस प्रकार प्रतिशोध लिया? 3
4. दिल्ली में वह कौन से तीन द्वार आज भी मौजूद है जो विद्रोहियों के कब्जे में थे? 3

2. मछुआरों की नज़र से

यह बीसवीं सदी की शुरुआत से जेलेपाड़ा (मछुआरों के क्वार्टर), कलकत्ता के लोगों में प्रचलित एक स्वांग का हिस्सा है:

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

दिल-में एक भावना से कलकत्ता-मे आया
कैसन कैसन मजा हम हिया देखने पाया
अरि-समाज, ब्रह्म-समाज, गिरजा, महजिद
एक लोटा-से मिलता दूध, पानी, सब चीज
छोटा, बड़ा आदमी सब बाहर करके दात
झापड़ मार के बोलता है अंग्रेज़ी-मे बात।

1. 20वीं सदी में शहरों में कौन-सा नया वर्ग उभर रहा था? 2
2. नए शहरों में होने वाले प्रमुख सामाजिक बदलावों का उल्लेख कीजिए। 2
3. 'शहर की जिंदगी एक संघर्ष थी' उपयुक्त उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए। 2
4. महिलाओं के बारे में रूढ़िवादियों का नजरिया क्या था?

3. एक देहाती शहर?

मद्रास के बारे में इम्पीरियल गजेटियर, 1908 में छपे इस अंश को पढ़िए:

.....बेहतर यूरोपीय आवास परिसरों के बीच बनाए जाते हैं जिससे उनकी छवि लगभग पार्क जैसी बन जाती है: और इनके बीच तकरीबन गाँवों की तर्ज पर चावल के खेत आते-जाते रहते हैं। यहाँ तक कि ब्लैक टाउन और ट्रिप्लीकेन जैसी सबसे घनी आबादी वाली देशी बस्तियों में भी वैसी भीड़-भाड़ नहीं दिखती जैसी बहुत सारी दूसरे शहरों में दिखाई देती है....।

1. 1757 में प्लासी के युद्ध के बाद अंग्रज़ों का राजनीतिक नियंत्रण किस प्रकार मजबूत हुआ? 2
2. ब्लैक टाउन किस प्रकार का था? 2
3. हिल स्टेशन औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के लिए किस प्रकार उपयोगी साबित हुए? 2
4. व्हाइट टाऊन ब्लैक टाउन से किस प्रकार भिन्न थे? 2

4. ''हर तरह की गड़बड़ियों को नियंत्रित करने के लिए''

उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में अंग्रेजों को यह महसूस होने लगा कि सामाजिक जीवन के सभी आयामों को नियंत्रित करने के लिए स्थायी और सार्वजनिक नियम बनाना जरूरी है। यहाँ तक कि निजी इमारतों और सार्वजनिक सड़कों का निर्माण भी स्पष्ट रूप से संहिताबद्ध मानक नियमों के अनुसार होना आवश्यक था। वेलेज़्ली ने कलकत्ता मिनट्स (1803) में लिखा था:

यह सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी है कि वह इस विशाल शहर में सड़कों, नालियों और जलमार्गों में सुधार की एक समग्र व्यवस्था बनाकर तथा मकानों व सार्वजनिक भवनों के निर्माण व सार्वजनिक

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

भवनों के निर्माण व प्रसार के बारे में स्थायी नियम बनाकर और हर तरह की गड़बड़ियों को नियंत्रित करने के स्थायी नियम बनाकर यहाँ के निवासियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुविधा उपलब्ध कराए।

1. आधुनिक नगर नियोजन की शुरुआत कहाँ से हुई? 2

2. इंडो-सारासेनिक शैली के विषय में संक्षेप में लिखिए। 2

3. इमारतें तथा स्थापत्य-शैलियाँ क्या बताती हैं? 2

4. सरकार द्वारा शहरी आबादी के लिए नगर-नियोजन परियोजनाएँ क्यों बनाई जाती थी? 2

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय तेरह

महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन सविनय अवज्ञा और उससे आगे

स्मरणीय बिन्दु

1. दो दशक विदेश में रहने के बाद 1915 में गांधी जी ने मातृभूमि वापस लौटने पर भारत को 1893 से अपेक्षाकृत भिन्न पाया भारत अब राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय था।
2. वर्ष 1917-18 में चम्पारन, खेड़ा और अहमदाबाद में की गई पहल से गाँधी जी एक ऐसे राष्ट्रवादी के तौर पर उभर कर सामने आए जिनमें गरीबों के लिए बेहद हमदर्दी थी।
3. रॉलेट एक्ट के खिलाफ अभियान-दुकानों, स्कूलों आदि का बंद होना। इस एक्ट का मतलब था, 'न दलील, न अपील, न वकील।'
4. 1919 की जलियाँवाला बाग की घटना - अंग्रेज ब्रिगेडियर द्वारा राष्ट्रवादी सभा पर गोली चलाने का हुक्म तथा जलियाँवाला बाग हत्याकांड। इस हत्याकांड में 400 से अधिक लोग मारे गए।
5. रॉलेट सत्याग्रह से गाँधी जी एक सच्चे समर्पित राष्ट्रीय नेता बन गए।
6. खिलाफ़त आन्दोलन (1919-20) मुहम्मद अली और शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों का आन्दोलन। इस आंदोलन की माँगे थी - ऑटोमन साम्राज्य के तमाम इस्लामी पवित्र स्थानों पर खलीफ़ा का क़ब्ज़ा कायम रहे तथा जज़ीरात-उल -अरब इस्लामी प्रभुता के अधीन रहे।
7. 1922 तक आंदोलन का केवल व्यावसायिकों और बुद्धिजीवियों तक सीमित न रहकर जन आंदोलन बनाना। 1857 के विद्रोह के बाद पहली बार असहयोग आंदोलन के कारण अंग्रेजी राज की नींव हिल गई।
8. चरखे का महत्व - ऐसे मानव समाज के प्रतीक के रूप में देखा जिसमें मशीनों और प्रौद्योगिकी को बहुत महामंडित नही किया गया।
9. दिसम्बर 1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस द्वारा पूर्ण स्वराज्य की उद्घोषणा। 26 जनवरी 1930 को राष्ट्रीय ध्वज फहराकर, स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।
10. 12 मार्च 1930 से साबरमती से समुद्र की ओर दाण्डी मार्च का गांधी जी द्वारा अपने अनुयायियों के साथ प्रारम्भ।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

11. 1931 में गाँधी-इर्विन समझौते पर सहमति। शर्तें-सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस लेना, सारे कैदियों की रिहाई, तटीय इलाको में नमक उत्पादन की अनुमति।

12. 1931 के अंत में दूसरा गोलमेज सम्मेलन भी असफल। सम्मेलन के किसी नतीजे पर न पहुँच पाने के कारण गाँधी जी का खाली हाथ भारत लौटने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करना।

13. 1935 का नया गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट-सीमित प्रतिनिधिक शासन व्यवस्था का आश्वासन।

14. कांग्रेस मंत्रिमंडल द्वारा अक्टूबर 1939 में इस्तीफा चूंकि काँग्रेस की स्वतंत्रता देने की मांग को सरकार ने खारिज कर दिया।

15. मार्च 1940 में मुस्लिम लीग द्वारा उपमहाद्वीप के मुस्लिम-बहुल इलाक़ों के लिए स्वायत्तता की माँगों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अब आजादी का संघर्ष कांग्रेस, मुस्लिम लीग तथा ब्रिटिश शासन तीन धुरियों के बीच संघर्ष हो गया।

16. क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद अगस्त, 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन का फैसला। यह सही अर्थों में जनांदोलन था।

17. 1946 में कैबिनट मिशन भारत आया किन्तु वार्ता असफल।

18. 16 अगस्त 1946 का दिन जिन्ना द्वारा पाकिस्तान की स्थापना के लिए लीग की माँग के समर्थन में प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस के रूप में तय। उसी दिन कलकत्ता में खूनी संघर्ष शुरू।

19. 1947 में वावेल की जगह लॉर्ड माउंटबेटन की वायसराय के पद पर नियुक्ति। उनके द्वारा वार्ताओं के अंतिम दौर का आह्वान। प्रयासो के विफल होने पर स्वतंत्रता का ऐलान किन्तु उसके साथ विभाजन का भी ऐलान।

20. अंततः 30 जनवरी 1948 की शाम को गाँधी जी की दैनिक प्रार्थना सभा में, एक युवक द्वारा गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। यद्यपि गाँधी जी ने स्वतंत्र और अखंड भारत के लिए जीवन भर अहिंसक संघर्ष किया तथापि देश विभाजित हो गया।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक वाले प्रश्न)

1. 'खिलाफ़त आन्दोलन' से क्या अभिप्राय है?

2. रॉलेट एक्ट क्या था? सर्वप्रथम यह कब लागू किया गया?

3. दाण्डी यात्रा कब आरम्भ हुई? आरम्भ करने से पहले साबरमती में गाँधी जी के मन में क्या आंशका थी?

4. 1931 में लंदन में आयोजित दूसरे गोल मेज सम्मेलन की असफलता के कोई दो कारण बताइए।

5. क्रिप्स मिशन की विफलता के किन्हीं दो कारणों का वर्णन कीजिए।

6. स्वदेशी आंदोलन से क्या अभिप्राय है? इसके प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

7. 'गाँधी-इर्विन समझौते' के क्या परिणाम निकले?

8. चम्पारन सत्याग्रह प्रारम्भ करने के क्या कारण थे? किन्ही दो कारणों का वर्णन कीजिए।

9. 1946 के विधान मंडलों के चुनावों की दो विशेषताएं बताइए।

10. कांग्रेस ने 'दो राष्ट्र सिद्धान्त' को कभी स्वीकार नहीं किया था। कोई दो बिन्दु दीजिए।

लघुउत्तरीय प्रश्न (5 अंक वाले प्रश्न)

1. असहयोग आन्दोलन कब आरम्भ हुआ और क्यों चलाया गया? इसके स्थगित करने के कारणों का वर्णन कीजिए।

2. गांधी जी चमत्कारिक शक्तियों की अफवाहें क्या-क्या थीं? स्पष्ट कीजिए।

3. लॉर्ड माउंटबेटन की योजना का विवेचन कीजिए।

5. कैबिनेट मिशन भारत कब आया? इसकी महत्वपूर्ण सिफारिशें क्या थी? वर्णन कीजिए।

6. नवम्बर 1930 में लंदन में आयोजित प्रथम गोलमेज सम्मेलन के असफल होने के क्या कारण थे? स्पष्ट कीजिए।

7. 'भारत छोड़ो आन्दोलन सही मायनों में एक जन आन्दोलन था।' अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

8. महात्मा गाँधी की राष्ट्रीय आन्दोलन में क्या योगदान था? विवेचना कीजिए।

9. बहुत से विद्वानों ने स्वतंत्रता बाद के महीनों को गाँधी जी के जीवन का श्रेष्ठतम क्षण क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

10. 1915 में महात्मा गाँधी के वापिस भारत आने के समय देश की दशा का वर्णन कीजिए।

11. भारत विभाजन को लेकर महात्मा गाँधी के क्या विचार थे? स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ अंक वाले प्रश्न (10 अंक वाले प्रश्न)

1. 1930 में गाँधी जी द्वारा चलाये गये नमक आन्दोलन को विस्तार से बताइए।

2. चरखा राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रतीक कैसे बन गया। विवेचना कीजिए।

3. महात्मा गाँधी एक लोक प्रिय नेता थे। विवेचना कीजिए।

4. 'महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आंदोलन को जन आंदोलन बना दिया' स्पष्ट कीजिए।

5. उन प्रमुख घटनाओं की विवेचना कीजिए। जिनकी फलस्वरूप भारत छोड़ो आन्दोलन आरम्भ हुआ। इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन करते हुए इस आन्दोलन में महात्मा गांधी की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

6. महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप को किस प्रकार पूर्णरूपेण बदल दिया? समीक्षा कीजिए।

स्रोत पर आधारित प्रश्न (8 अंक)

1. ''कल हम नमक कर क़ानून तोड़ेगे''

5 अप्रैल 1930 को महात्मा गाँधी ने दाण्डी में कहा था :

जब मैं अपने साथियों के साथ दाण्डी के इस समुद्रीय तटीय टोले की तरफ चला था तो मुझे यकीन नही था कि हमें यहाँ तक आने दिया जायेगा। जब मैं साबरमती में था तब भी यह अफ़वाह थी कि मुझे गिरफ़्तार किया जा सकता है। तब मैनें सोचा था कि सरकार मेरे साथियों को तो दाण्डी तक आने देगी लेकिन मुझे निश्चय की यह छूट नहीं मिलेगी। यदि कोई यह कहता कि इससे मेरे हृदय में अपूर्ण आस्था का संकेत मिलता है तो मैं इस आरोप को नकारने वाला नही हूँ। मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ इसमें शांति और अंहिसा का कम हाथ नहीं है, इस सत्ता को सब महसूस करते है। अगर सरकार चाहे तो वह अपने आचरण के लिए अपनी पीठ थपथपा सकती है क्योंकि सरकार चाहती तो हम में से हरेक को गिरफ्तार कर सकती थी। जब सरकार यह कहती है कि उसके पास शांति की सेना गिरफ़्तार करने का साहस नहीं था तो हम उसकी प्रशंसा करते है। सरकार को ऐसी सेना की गिरफ्तारी में शर्म महसूस होती है अगर कोई व्यक्ति ऐसा काम करने में शर्मिंदा महसूस करता है जो उसके पड़ोसियों को भी रास नही आ सकता, तो वह एक शिष्ट-सभ्य व्यक्ति है। सरकार को हमें गिरफ्तार न करने के लिए बधाई दी जानी चाहिए भले ही उसने विश्व जनमत का ख्याल करके ही यह फैसला क्यों न लिया हो।

कल हम नमक कानून तोड़ेगे। सरकार इसको बर्दाश्त करती है कि नहीं यह सवाल अलग है हो सकता है सरकार हमें ऐसा न करने दे लेकिन उसने हमारे जत्थे के बारे में जो धैर्य और सहिष्णुता दिखायी है उसके लिए वह अभिनदंन की पात्र है.....।

यदि मुझे और गुजरात व देशभर के सारे मुख्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया जाता है तो क्या होगा? यह आंदोलन इस विश्वास पर आधारित है कि जब एक पूरा राष्ट्र उठ खड़ा होता है और आगे बढ़ने लगता है तो उसे नेता की जरूरत नहीं रह जाती।

1. गाँधीजी के द्वारा नमक कानून किन परिस्थितियों में तोड़ा गया? 2
2. औपनिवेशिक राज्य के संबंध में गाँधी जी के विचारों को व्यक्त कीजिए। 2
3. इस अनुच्छेद के आधार पर लिखिए कि अगर ब्रिटिश सरकार नेताओं को गिरफ्तार करती तो क्या परिणाम निकलते? 2
4. गाँधी जी ने दांडी यात्रा पूर्ण होने का श्रेय किसको दिया? 2

2. पृथक निर्वाचिका पर अम्बेडकर के विचार

दमित वर्गो के लिए पृथक निर्वाचिका के प्रस्ताव पर महात्मा गांधी की दलीलों के जवाब में अम्बेडकर

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

हमारे सामने एक ऐसा वर्ग है जो निश्चय ही अस्तित्व के संघर्ष में खुद को कायम नही रख सकता। जिस धर्म से ये लोग बँधे हुए है वह उन्हें सम्मानजनक स्थान प्रदान करने की बजाय कोढ़ियों की तरह देखता है। जिनके साथ सामान्य संबंध नही रखे जा सकते। आर्थिक रूप से यह ऐसा वर्ग है जो दो वक्त की रोटी के लिए सवर्ण हिन्दुओं पर पूरी तरह आश्रित है। जिसके पास आजीविका का कोई स्वतंत्र साधन नही है। न केवल हिन्दुओं के सामाजिक पूर्वाग्रहों के कारण उनके सारे रास्ते बन्द है बल्कि समग्र इतिहास में हिन्दू समाज ने उनके सामने खुलने वाली हर संभावना को बंद कर दिया है। जिससे दमित वर्गो को जीवन में ऊपर उठने का कोई अवसर न मिल सके।

इन परिस्थितियों में सभी निष्पक्ष सोच वाले व्यक्ति इस बात पर सहमत होंगे कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि ऐसे अपंग समुदाय के पास संगठित निरंकुशता के विरूद्ध जीवन के संघर्ष का एक मात्र रास्ता यही है कि उसे राजनीतिक सत्ता में हिस्सा मिले जिससे वह अपनी रक्षा कर सके।

1. इस अनुच्छेद में डा॰ अम्बेडकर किसकी दलीलों का उत्तर दे रहे है? 2
2. डा॰ अम्बेडकर ने दमित वर्ग के बारे में क्या-क्या दलीलें दी? 2
3. डा॰ अम्बेडकर किस व्यवस्था में अपना हिस्सा माँग रहे हैं? 2
4. दमित वर्ग को सम्मान जनक स्थान प्रदान करने के लिए अपने सुझाव लिखिए। 2

3. चरखा

महात्मा गाँधी आधुनिक युग, जिसमें मशीनों ने मानव को गुलाम बनाकर श्रम को हटा दिया था, के घोर आलोचक थे। उन्होंने चरखा को एक ऐसे, मानव समाज के प्रतीक रूप में देखा, जिसमें मशीनों और प्रौद्योगिकी को बहुत महिमामंडित नहीं किया जाएगा। इससे भी अधिक चरखा गरीबों को पूरक आमदनी प्रदान कर सकता था तथा उन्हें स्वावलम्बी बना सकता था।

मेरी आपत्ति मशीन के प्रति सनक से है। यह सनक श्रम बचाने वाली मशीनरी के लिए है। ये तब तक 'श्रम बचाते' रहेंगे जब तक कि हजारों लोग बिना काम के और भूख से मरने के लिए सड़कों पर न फेंक दिए जाएँ। मैं मानव समुदाय के किसी एक हिस्से के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए समय और श्रम बचाना चाहता हूँ : मैं धन का केन्द्रीकरण कुछ ही लोगों के हाथों में नहीं बल्कि सभी के हाथों में करना चाहता हूँ।

(यंग इंडिया, 13 नवम्बर 1924)

खद्दर मशीनरी को नष्ट नहीं करना चाहता बल्कि यह इसके प्रयोग को नियमित करता है और इसके विकास को नियंत्रित करता है। यह मशीनरी का प्रयोग सर्वाधिक गरीब लोगो के लिए उनकी अपनी झोपड़ियों में करता है। पहिया अपने आप में ही मशीनरी का एक उत्कृष्ट नमूना है।

(यंग इंडिया, 17 मार्च 1927)

1. गाँधी जी मशीनों के प्रयोग के विरूद्ध क्यों थे? स्पष्ट कीजिए 2
2. गाँधी जी के अनुसार गरीबों के लिए चरखे का क्या महत्व था? 2
3. गाँधी जी ने चरखे को आन्दोलन के प्रतीक के रूप में क्यो चुना? स्पष्ट कीजिए। 2
4. गाँधी जी की पुस्तक अन्य राष्ट्रवादी नेताओं से किन प्रकार भिन्न थी? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय चौदह

विभाजन को समझना

राजनीति, स्मृति, अनुभव

स्मरणीय बिन्दु

1. 1947 में आजादी के साथ-भारत का विभाजन।
2. ब्रिटिश भारत का भारत और पाकिस्तान (पूर्वी तथा पश्चिमी) में बँटवारा।
3. बँटवारे की घटनाओं का बयान करने वाले विद्वानों के अनुमानों के अनुसार मरने वालों की तादात 2 लाख से 5 लाख के बीच रही होगी।
4. बँटवारे के दौरान व्यापक हिंसा होना, लोगों का शरणार्थी होना, मरने वाले लोगों को बड़ी संख्या, स्थानीय व क्षेत्रीय संस्कृतियों से वंचित लोग।
5. जिंदा बचने वालों द्वारा 1947 को मार्शल-ला मारामारी तथा रौला या हुल्लड़ द्वारा व्यक्त करना।
7. भारत में पाकिस्तान से घृणा करने वाले तथा पाकिस्तान में भारत से घृणा करने वाले दोनों ही बँटवारे की उपज है।
8. विद्वानों के अनुसार बँटवारा सांप्रदायिक राजनीति का चरम बिंदु था जो 1909 में पृथक चुनाव क्षेत्रों में शुरू हुआ।
9. 1920 व 30 के दशकों में गो-रक्षा आंदोलन, शुद्धिकरण, तबलीग व तंजीम ने साप्रंदायिकता को और अधिक बढ़ाया।
10. सांप्रदायिकता का अर्थ उस राजनीति से है जो धार्मिक समुदायों के बीच विरोध और झगड़े पैदा करती है।
11. 1937 में कांग्रेस ने प्रांतीय संसदों के चुनावों में 11 में से 5 प्रांतों में पूर्ण बहुमत हासिल किया तथा 7 में अपनी सरकारें बनाईं।
12. मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 तथा हिंदू महासभा की स्थापना 1915 में हुई।
13. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के कारण अंग्रेजो का सत्ता हस्तांतरण की बातचीत के लिए तैयार होना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

14. जिन्ना के अडियल रवैये के कारण 1945 की सता हस्तांतरण की वार्ता का असफल रहना।
15. 1946 के प्रांतीय चुनावों में सामान्य सीटों पर काँग्रेस व मुसलमानों के लिए आरक्षित सीटों पर मुस्लिम लीग को भारी सफलता मिलना।
16. कांग्रेस व लीग द्वारा कैबिनेट मिशन के सुझावों की अलग-अलग व्याख्या से कैबिनेट मिशन का असफल होना।
17. 1947 को कांग्रेस हाई कमान द्वारा पंजाब को मुस्लिम बहुल तथा हिंदू/सिक्ख बहुल, दो हिस्सों में बाँटने के प्रस्ताव को मंजूरी।
18. सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करने के लिए गांधी जी द्वारा नोआखली (वर्तमान बांग्लादेश), कलकत्ता, तथा दिल्ली आदि स्थानों पर दौरा करना।
19. अनेक इतिहासकार मौखिक इतिहास के बारे में अभी भी शंकालु हैं।
20. बंगाली मुसलमानों द्वारा जिन्ना के द्विराष्ट्र-सिद्धान्त को नकारते हुए 1971-72 में बांग्लादेश की स्थापना।
21. तक्सीम के दौरान आम लोगों की कठिनाइयों को समझने में मौखिक वृतांत संस्मरण, पारिवरिक इतिहास, स्वलिखित ब्यौरें और डायरियाँ मददगार साबित होते है।
22. पाकिस्तान अथवा पाक-स्तान (पंजाब, अफगान, कश्मीर और बलूचिस्तान) नाम केम्ब्रिज के एक पंजाबी मुसलमान छात्र-चौधरी रहमत अली ने 1933 और 1935 में लिखित दो पर्चो में छापा।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक वाले)

1. सांप्रदायिकता का अर्थ बताइए।
2. 1940 के प्रस्ताव में मुस्लिम लीग ने क्या मांग रखी? दो बिन्दु दीजिए।
3. 'सारे जहाँ से अच्छा' के लेखक का नाम लिखिए। उनके 1930 के मुस्लिम लीग के अधि वेशन में दिये भाषण पर किस जरूरत पर जोर दिया था?
4. विभाजन के विषय में लोगों का शुरूआती नजरिया क्या था? दो बिन्दु दीजिए।
5. इतिहासकार मौखिक बयानों की विश्वसनीयता की परख किस प्रकार करते है? स्पष्ट कीजिए।
6. मुहाजिर शब्द किन के लिए प्रयुक्त किया जाता है? दो बिन्दु दीजिए।
7. 13 मार्च को दिल्ली के एक गुरूद्वारे में विभाजन को किस घटना की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है? स्पष्ट कीजिए।
8. 'लखनऊ समझौता' से क्या अभिप्राय है? दो बिन्दु दीजिए।
9. पाकिस्तान का नाम किस प्रकार पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. अब्दुल लतीफ व डा॰ खुशदेव सिंह के बयानों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि बँटवारे के वक्त लोग किस प्रकार एक दूसरे की मदद करते है?

लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक वाले)

1. बँटवारे को महाध्वंस 'होलोकाँस्ट' कहना कहाँ तक उचित है? स्पष्ट कीजिए।
2. पाकिस्तानियों और भारतीयों में बंटवारे की वजह से एक दूसरे के प्रति क्या रूढ़ छवियाँ विद्यमान है? स्पष्ट कीजिए।
3. 'बँटवारे के दौरान हुई हिंसा से पीड़ित लोग तिनको में अपनी जिंदगी खड़ी करने के लिए मजबूर हो गए।' इस कथन के संदर्भ में 1947 की चौतरफा हिंसा के विषय में लिखिए।
4. 'सांप्रदायिकता धार्मिक अस्मिता का विशेष प्रकार से राजनीतिकरण है।' इस कथन के संदर्भ में सांप्रदायिकता की व्याख्या कीजिए।
5. 1937 के प्रांतीय चुनावों ने किस प्रकार मुस्लिम लीग और काँग्रेस के बीच की खाई को और गहरा कर दिया। तर्क सहित उत्तर की पुष्टि कीजिए।
6. 1937 के प्रांतीय चुनावों ने मुस्लिम लीग के 'पाकिस्तान के प्रस्ताव का रास्ता साफ कर दिया।' विवेचना कीजिए।
7. विभाजन के अचानक हो जाने के पीछे क्या कारण रहे? किन्ही पाँच बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कीजिए।
8. साम्प्रदायिक सदभाव बहाल करने के लिए गांधी जी ने किन तरीकों को अपनाया? किन्हीं पाँच का वर्णन कीजिए।
9. कैबिनेट मिशन विभाजन का संभावित विकल्प बन सका? चर्चा कीजिए।
10. बँटवारे के हिंसक काल में औरतों के अनुभवों का वर्णन कीजिए।
11. विभाजन का समय 'मदद' 'मानवता' और सद्भावना का भी समय था। यह हम किस आधार पर कह सकते है? स्पष्ट कीजिए।
12. मौखिक इतिहास के विषय में इतिहासकारों की क्या शंकायें है? किन्ही पाँच का वर्णन कीजिए।
13. विभाजन को समझने के लिए प्रस्तुत व्यक्तिगत स्मृतियाँ या मौखिक गवाही किस प्रकार हमारी समझ को विस्तृत करती है? स्पष्ट कीजिए।
14. पाकिस्तान की स्थापना की माँग किस प्रकार धीरे-धीरे ठोस रूप ले रही थी। किन्ही पांच बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक वाले)

1. 'कुछ विद्वान यह क्यों मानते हैं। कि देश विभाजन एक साम्प्रदायिक नीति का अंतिम बिन्दु था'

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

2. बंटवारे के विरूद्ध गांधी जी के विचारों की समीक्षा कीजिए।

3. कांग्रेस ने मुस्लिम लीग का संयुक्त सरकार बनाने का प्रस्ताव क्यों अस्वीकार कर दिया? व्याख्या कीजिए।

4. पृथक निर्वाचन प्रणाली का क्या आशय है? भारत में यह प्रणाली कब प्रारम्भ हुई? इसके प्रभावों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. मार्च 1946 से उस विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए जिसने भारत विभाजन की प्रक्रिया को त्वरित कर दिया।

6. 'बँटवारे से कई आकस्मिक परिवर्तन आए।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

7. क्या विभाजन एक लम्बे इतिहास का अन्तिम चरण था? विवेचना कीजिए।

8. विभाजन को दक्षिणी एशिया के इतिहास में एक ऐतिहासिक घटना क्यों माना जाता है? स्पष्ट कीजिए।

अनुच्छेद आधारित प्रश्न (8 अंक)

1. निम्नलिखित उदाहरण को पढ़कर उत्तर दीजिए :-

'लेकिन मुझे पूरा विश्वास है मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की जो माँग उठायी है वह पूरी तरह गैर-इस्लामिक है ..... इस्लाम मानवता की एकता और भाईचारे का समर्थक है न कि मानव परिवार की एकजुटता को तोड़ने का। जो तत्व भारत को एक दूसरे के खून के प्यासे टुकड़ो में बाँट देना चाहते हैं वे भारत और इस्लाम, दोनों के शत्रु हैं। भले ही वे मेरी देह के टुकड़े-टुकड़े कर दें परंतु मुझसे ऐसी बात नहीं मनवा सकते जिसे मैं गलत मानता हूँ।

हरिजन, 26 सितंबर 1946, कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गाँधी। 2

1. उपयुर्क्त वक्तव्य कब और किसके द्वारा दिया गया? 2

2. यह वक्तव्य वक्ता द्वारा किस घटना के विषय में दिया गया? 2

3. इस बयान से विभाजन संबंधी क्या विचार पता चलते है? 2

4. पाकिस्तान के विचार का विरोध करते हुए वक्ता ने क्या तर्क दिये है? 2

'बीहड़ में एक आवाज'

महात्मा गाँधी जानते थे कि उनकी स्थिति 'बीहड़ में एक आवाज' जैसी है लेकिन फिर भी वे विभाजन की सोच का विरोध करते रहे। किंतु आज हम कैसे दुखद परिवर्तन देख रहे हैं। मै फिर वह दिन देखना चाहता हूँ जब हिंदू और मुसलमान आपसी सलाह के बिना कोई काम नही करेंगें। मैं दिन रात इसी आग में जल जा रहा हूँ कि उस दिन को जल्दी साकार करने के लिए क्या करूँ। लीग से मेरी गुज़ारिश है कि वे किसी भारतीय को अपना शत्रु न माने.....। हिंदू और मुसलमान, दोनों एक ही मिट्टी से उपजे हैं। उनका खून एक है, वे एक जैसा भोजन करते हैं और एक जैसी भाषा बोलते हैं।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्रार्थना सभा में भाषण 7 सितंबर 1946, कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी,

1. यहाँ किस दुखद परिवर्तन की बात की गई है? 2
2. गाँधी जी किस आदर्श परिस्थिति की कल्पना करते है? 2
3. गाँधी जी के अनुसार हिंदू और मुसलमान एक कैसे है? 2
4. बीहड़ में आवाज गाँधी जी की किस मन: स्थिति का द्योतक है? 2

बरसों हो गए, मैं किसी पंजाबी मुसलमान से नहीं मिला

शोधकर्ता का दूसरा किस्सा लाहौर के यूथ हॉस्टल के मैनेजर के बारे में है :-

मैं जगह की तलाश में हॉस्टल गया था और वहाँ मैंने तुरंत अपनी नागरिकता की घोषणा कर दी थी। मैनेजर ने कहाँ आप हिन्दुस्तानी हैं इसलिए आपको मैं कमरा तो दे नहीं सकता मगर आपको चाय पिला सकता हूँ और एक किस्सा सुना सकता हूँ। इतने ललचाने वाले प्रस्ताव पर मै नहीं कैसे कह सकता था। मैनेजर ने शुरू किया 'पचास के दशक के शुरूआती हिस्से में मेरी पोस्टिंग दिल्ली में हुई थी। मैं ध्यान से सुन रहा था। मैं वहाँ पाकिस्तानी दूतावास में क्लर्क था। मेरे एक लाहौरी दोस्त ने मुझे एक रूक्का (छोटी चिट्ठी) दिया था जो कभी उसके पड़ोसी रहे एक व्यक्ति को देना था। वह व्यक्ति आजकल दिल्ली के पहाड़गंज में रह रहा था। एक दिन मैं अपनी साइकिल लेकर पहाड़गंज को चल पड़ा। जैसे ही मैनें सेंट्रल सेक्रिटेरियट के पास वाले कथीड्रल (बड़ा गिरजाघर) को पार किया,, मुझे एक सिख साइकिल पर जाता दिखाई दिया उसे रोककर मैने पंजाबी में पूछा 'सरदार जी: पहाड़गंज का रास्ता किधर है?

'उन्होंने ने पूछा ''तुम शरणार्थी हो?''

''नहीं मै लाहौर से आया हूँ। मैं इकबाल अहमद हूँ।'' इकबाल अहमद..... लाहौर से? रुको रुको। वह ''रुको'' की आवाज मुझे बेरहम, हुक्म जैसी सुनाई दी और मैने सोचा कि अब मैं गया। ये सिख मुझे खत्म ही कर देगा। पर और कोई चारा नहीं था, इसलिए मैं रुक गया। वह भारी भरकम सिख दौड़ता आया और उसने मुझे कसकर भींच लिया। भीगी आँखों से उसने कहा, बरसों हो गए, मैं किसी पंजाबी मुसलमान से नही मिला। मैं मिलने को तरस रहा था। पर यहाँ पंजाबी बोलने वाले मुसलमान मिलते ही नहीं।

1. लाहौर के यूथ हॉस्टल में शोधकर्ता की किससे मुलाकात हुई? 2
2. शोधकर्ता की नागरिकता की जानकारी पाकर मैनेजर ने कैसा व्यवहार प्रदर्शित किया? 2
3. उसने पचास के दशक के शुरूआती हिस्से की क्या घटना सुनाई? 2
4. यह किस्सा मानव संबंधों के विषय में क्या बताता है? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय पद्रंह

संविधान का निर्माण एक नए युग की शुरूआत

स्मरणीय बिन्दु

1. भारतीय संविधान दुनिया का सबसे लंबा संविधान है जो 26 जनवरी 1950 को अस्तित्व में आया।
2. यह गहन विचार विमर्श पर आधारित और सावधानीपूर्वक सूत्रबद्ध किया गया मर्सावदा है। इसके एक-एक मसविदे के हर भाग पर लंबी चर्चाएँ चलीं।
3. यह दिसंबर 1946 से दिसंबर 1949 के बीच सूत्रबद्ध किया गया। संविधान सभा के कुल 11 सत्र हुए जिनमें 165 दिन बैठकों में गये।
4. संविधान सभा की बैठकों का पहला वर्ष बहुत उथल-पुथल के दौर की पृष्ठभूमि में सम्पन्न हुआ। देश का विभाजन हुआ था और लाखों लोग विस्थापित हुए, सांप्रदायिक दंगे हुए और भारतीय रजवाड़ो को साथ मिलाने में भी समस्याएँ आ रही थीं।
5. संविधान सभा के सदस्यों का गठन 1945-1946 के प्रांतीय चुनावों के आधार पर किया गया था। प्रांतीय संसदों ने संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव किया।
6. संविधान सभा के कुल तीन सौ सदस्यों में छह की भूमिका काफी महत्वपूर्ण थी। वे थे - **जवाहर लाल नेहरू, बल्लभ भाई पटेल, राजेन्द्र प्रसाद, बी. आर अम्बेडकर, के एम. मुंशी, अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर**। दो प्रशासनिक अधिकारियों **बी. एन. राव** व **एस. एन. मुखर्जी** ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
7. संविधान सभा के प्रारूप को बनाने में 3 वर्ष लगे और इस दौरान हुई चर्चाओं के मुद्रित रिकार्ड 11 बड़े खंडो में प्रकाशित हुए।
8. संविधान निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए 13 दिसम्बर 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया। इसमें भारत को 'स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य' घोषित किया गया था। और नागरिकों को न्याय समानता व स्वतंत्रता का आश्वासन दिया गया था।
9. नेहरू ने संविधान निर्माण में भारतीय जनता की आकांक्षाओं और भावनाओं को पूरा करने के प्रयास पर जोर दिया। कहा कि सभी की शक्ति आम जनता में निहित रहती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. संविधान सभा उन लोगों की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का साधन मानी जा रही थी जिन्होने स्वतंत्रता आन्दोलनों में हिस्सा लिया था। लोकतंत्र, न्याय, समानता भारत में सामाजिक संघर्षो के साथ गहरे तौर पर जुड़ चुके थे।

11. संविधान सभा में कई मुद्दो पर बहस हुई परंतु यह शीघ्र ही स्पष्ट हो गया कि किसी भी मुद्दे पर सभा की पूर्ण सहमति नही थी। नेहरू ने कहा था कि संविधान निर्माताओं को ''जनता के दिलों में समायी आकांक्षाओं तथा भावनाओं को पूरा करना है।''

12. संविधान निर्माण के समय पृथक निर्वाचिका की समस्या पर बहस हुई। बी. पोकर बहादुर ने इसका पक्ष लिया परंतु ज्यादातर राष्ट्रवादियों आर. वी. धुलेकर, पटेल, गोविन्द वल्लभ पंत, बेगम ऐजाज रसूल आदि ने इसका कड़ा विरोध किया और देश के लिए घातक बताया।

13. संविधान सभा में अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर भी बहस हुई। दमित जातियों के अधिकारों, महिलाओं के अधिकारों पर भी तीव्र चर्चा हुई।

14. एन. जी. रंगा तथा जयपाल सिंह ने आदिवासियों की समस्याओं की और ध्यान आकर्षित किया। उन्हें आम आबादी के स्तर पर लाने और सुरक्षा प्रदान करने पर जोरदार पक्ष लिया।

15. संविधान सभा में दमित जातियों के लिए पृथक निर्वाचिका के पक्ष और विपक्ष में हुई बहसों के नतीजन और सांप्रदायिक हिंसा को देखते हुए अम्बेडकर ने पृथक निर्वाचिका की माँग को छोड़ दिया।

16. अंततः यह सुझाव दिया गया कि अस्पृश्यता का उन्मूलन हो, हिन्दू मन्दिर सभी जातियों के लिए खोले जाएँ दमित जातियों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण हो।

17. केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के अधिकारों को लेकर हुई बहस में अधिकतर ने मजबूत केन्द्र का ही पक्ष लिया और विषयों की तीन सूचियां बनाई थी- केन्द्रीय सूची, राज्य सूची, और समवर्ती सूची।

18. राष्ट्र की भाषा हिन्दी को लेकर बहुत अधिक बहस हुई और यह तय हुआ परस्पर समायोजन होना चाहिये और लोगों पर कोई चीज थोपनी नही चाहिए।

19. संविधान सभा के शुरूआती सत्रों में हिन्दी की खूब वकालत की गई। श्री धुलेकर इसके जोरदार समर्थक थे।

20. केवल दो मुद्दों पर आम सहमति काफी हद तक थी वे थे वयस्क मताधिकार और धर्मनिरपेक्षता जो संविधान के केन्द्रीय अभिलक्षण है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक वाले)

1. भारतीय संविधान का गठन किस प्रकार किया गया? बताइए।
2. भारतीय संविधान में कुल कितने सदस्य थे? और उनका चुनाव किस आधार पर किया गया?
3. भारतीय संविधान सभा के उन छः सदस्यों के नाम बताइए जिनकी भूमिका संविधान निर्माण में प्रमुख थी।
4. संविधान का उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया?
5. संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे? प्रारूप समिति के दो अन्य सदस्यों के नाम बताइए।
6. उद्देश्य प्रस्ताव का क्या महत्व है? दो बिन्दु दीजिए।
7. भारतीय संविधान के दो केन्द्रीय अभिलक्षण कौन-कौन से है?
8. संविधान निर्माण के समय संविधान सभा में कौन-कौन से मुद्दे मुख्य रूप से विवादित रहे?
9. संविधान निर्माण में सहायता देने वाले दो प्रशासनिक अधिकारी कौन थे?
10. 'वयस्क मताधिकार से आप क्या समझते है? स्पष्ट कीजिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक वाले)

1. भारतीय संविधान के उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शों पर जोर दिया गया है? स्पष्ट कीजिए।
2. उद्देश्य प्रस्ताव में 'लोकतांत्रिक' शब्द का इस्तेमाल न करने के लिए जवाहर लाल नेहरू ने क्या कारण बताया था? विवेचना कीजिए।
3. भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू करने के पीछे संविधान निर्माताओं की मंशा को व्यक्त कीजिए।
4. संविधान सभा में पृथक निर्वाचिका के पक्ष में दिये गये बयानों की व्याख्या कीजिए।
5. भारतीय संविधान किस प्रकार केन्द्र सरकार और राज्यों के अधिकारों को सुरक्षा प्रदान करता है? स्पष्ट कीजिए।
6. एन. जी. रंगा द्वारा 'अल्पसंख्यक' शब्द की व्याख्या किस प्रकार की गयी और उन्होने देश में व्याप्त किस विशाल खाई की ओर संकेत किया? स्पष्ट कीजिए।
7. 'संविधान सभा में की जाने वाली चर्चाओं को जनमत प्रभावित करते थे।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।
8. 'संविधान सभा अंग्रेजों की योजना को साकार करने का काम कर रही थी।' सोमनाथ लाहिड़ी के इस कथन की व्याख्या कीजिए।
9. संविधान में कितनी सूचियाँ बनाई गई थीं? विस्तार से वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. भारतीय संविधान की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 अंक वाले

1. 'उद्देश्य प्रस्ताव' कब व किसके द्वारा पेश किया गया तथा यह किस प्रकार एक ऐतिहासिक प्रस्ताव था? विवेचना कीजिए।
2. दमित समूहों की सुरक्षा के पक्ष में डा॰ भीमराव अम्बेडकर द्वारा उठाये गये कदमों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
3. 'संविधान निर्माण से पहले के साल उथल-पुथल से भरे थे।' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
4. संविधान सभा के अधिकतर सदस्यों का झुकाव एक मजबूत केन्द्र की और क्यों दिखाई देता है? आपके विचार में क्या इसका कारण उस समय की राजनीतिक परिस्थितियाँ थी? स्पष्ट कीजिए।
5. संविधान सभा में कुल कितने सदस्य थे? कौन से छः सदस्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे। उनके विचारों एवं संविधान-निर्माण में उनकी भूमिका क्या थी? समीक्षा कीजिए।
6. अल्पसंख्यक से क्या अभिप्राय है? संविधान में उनके हितों की रक्षा के लिये क्या कदम उठाये गये? वर्णन कीजिए।
7. गाँधी जी के अनुसार राष्ट्रीय भाषा की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए? संविधान सभा ने भाषा के विवाद का समाधान करने के लिए क्या रास्ता निकाला? स्पष्ट कीजिए।

अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न (8 अंक वाले प्रश्न)

1. ''बहुत अच्छा महोदय - साहसिक शब्द, उदात्त शब्द''

सोमनाथ लाहिड़ी ने कहा था :

महोदय मैं पंडित नेहरू को इस बात के लिए मुबारकबाद देना चाहता हूँ कि उन्होनें यह कह कर भारतीय जनता की भावना का इतने सटीक शब्दों में व्यक्त किया है कि भारत के लोग अंग्रेजों द्वारा थोपी गई किसी चीज को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह ही जबरदस्ती पर असंतोष व आपत्ति व्यक्त की जाएगी और अगर आवश्यकता हुई तो हम संघर्ष की घाटी में उतरेंगे। बहुत अच्छा महोदय - साहासिक शब्द, उदात्त शब्द।

परन्तु देखना यह है कि इस चुनौती को आप कैसे और कब साकार करते हैं। महोदय, मसला यह है कि यह जबरदस्ती इसी समय की जा रही है। न केवल ब्रिटिश योजना ने भावी संविधान बना दिया है ..... जो अंग्रेजो की संतुष्टि पर आश्रित होगा बल्कि इससे यह भी संकेत मिलता है कि मामूली से मामूली मतभेद के लिए भी आपको संघीय न्यायालय तक दौड़ना होगा या वहाँ इंग्लैंड में जाकर नाचना पड़ेगा या ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली या किसी और के दरवाजे पर दस्तक देनी होगी

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

केवल यही सच नही है कि हम चाहे जो भी योजना क्यों न बनाएँ यह संविधान सभा ब्रिटिश बंदूकों, ब्रिटिश सेना, उनके आर्थिक व वित्तीय शिकंजे के साये में है और सत्ता का प्रश्न बुनियादी तौर पर अभी तय नही हुआ है जिसका अर्थ यह निकलता है कि हमारा भविष्य अभी भी पूरी तरह हमारे हाथों में नही है। इतना ही नहीं हाल ही में एटली तथा अन्य लोगों द्वारा लिए गए वक्तव्यों में यह भी स्पष्ट हो गया है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे विभाजन से भी पीछे नही हटेंगे। महोदय इसका आशय यह है कि इस देश में कोई स्वतंत्रता नही है। जैसा कि अभी कुछ दिन पहले सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था हमारे केवल आपस में लड़ने की की स्वतंत्रता मिली है। इसलिए हमारा विनम्र सुझाव है कि यहाँ सवाल इस योजना की रूपरेखा के जरिए कुछ पा लेने का नहीं बल्कि यहाँ और अभी स्वतंत्रता की घोषणा करने और अंतरिम सरकार, भारत की जनता से यह आह्वाहन करने का है कि वे आपस में लड़ने की बजाय अपने शत्रु को देखें, जिसके हाथ में अभी कोड़ा है, वे ब्रिटिश साम्राज्यवाद को देखें – और उससे मिलकर लड़ने के लिए आगे बढ़ें जब हम स्वतंत्र हो जाएँगे, तब हम अपने दावों का हल ढूँढ सकते हैं।

1. सोमनाथ लाहिड़ी, पंडित जवाहर लाल नेहरू को किस बात पर मुबारक बाद देना चाहते हैं? 2

2. 'संविधान सभा ब्रिटिश प्रभाव में ही कार्य कर रही है' वक्ता को ऐसा क्यों लगता है? 3

3. ''सरकारें सरकारी कागजों से नहीं बनती। सरकार जनता की इच्छा की अभिव्यक्ति होती है।'' स्पष्ट कीजिए। 3

2. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िये और अंत में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

राष्ट्रीय भाषा की क्या विशेषता होनी चाहिए :-

यह हिन्दुस्तानी न तो संस्कृतिनिष्ठ हिंदी होनी चाहिए और न ही फारसीनिष्ठ उर्दू। यह दोनों का सुंदर मिश्रण होना चाहिए। उसे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं से खुलकर शब्द उधार लेने चाहिए। विदेशी भाषाओं के ऐसे शब्द लेने में कोई हर्ज नही हैं जो हमारी राष्ट्रीय भाषा में अच्छी तरह और आसानी से घुलमिल सकते है। इस प्रकार हमारी राष्ट्रीय भाषा एक समृद्ध और शक्तिशाली भाषा होनी चाहिए जो मानवीय विचारों और भावनाओं के पूरे समुच्चय को अभिव्यक्ति दे सके। खुद को हिंदी या उर्दू से बांध लेना देशभक्ति की भावना तथा समझदारी के विरूद्ध एक अपराध होगा।

(हरिजन सेवक, 12 अक्टूबर 1947)

1. उपर्युक्त पंक्तियाँ किसके द्वारा कही गई और कब? 2

2. वक्ता ने इन पक्तियों में राष्ट्रभाषा की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है? 3

3. हमें खुद को हिंदी या उर्दू से क्यों नहीं बाँधना चाहिए? स्पष्ट कीजिए। 3

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

हमने विशेषाधिकार कभी नहीं माँगे

3. बम्बई की हंसा मेहता ने महिलाओं के लिए न्याय की माँग की, आरक्षित सीटों की नहीं और न ही पृथक चुनाव क्षेत्र की :-

हमने विशेषाधिकार कभी नही माँगे। हमने सामाजिक न्याय आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय की माँग की है। जिसके बिना पारस्परिक आदर और समझ नही बन सकते, जिसके बिना पुरूष और महिला के बीच वास्तविक सहयोग संभव नही है।

1. हंसा मेहता ने विशेषाधिकार न माँग कर किन चीजों की माँग की है? 2

2. दमित जातियों के बारे में जे॰ नागप्पा के विचार बताइए। 3

3. आपके विचार से राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने से भारतीय महिलाओं की दशा में क्या परिवर्तन आया? 3

''हम अपनी सामाजिक अक्षमताओं को हटाना चाहते हैं।''

4. मद्रास की दक्षायणी वेलायुधान की दलील थी :-

हमें सब तरह की सुरक्षाएँ नही चाहिए। इस देश के कमजोरों को नैतिक सुरक्षा का आवरण चाहिए .....। मैं यह नही मान सकती कि सात करोड़ हरिजनों को अल्पसंख्यक माना जा सकता है ....। जो हम चाहते हैं वह यह है कि सामाजिक अपंगताओं का फौरन खात्मा।

1. दक्षायणी वेलायुधान किस आधार पर हरिजनों को अल्पसंख्यक नही मानती? 2

2. वे समाज की किन अपंगताओं की और इशारा करती है? 2

3. हमें समाज की अक्षमताओं को हटाने के लिए क्यों प्रयास करना चाहिये? 2

4. दमित जातियों के लिये पृथक निर्वाचिका पक्ष तथा विपक्ष में एक-एक तर्क दीजिए। 2

5. 'अंग्रेज तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए'

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था :

यह दोहराने का कोई मतलब नही है कि हम पृथक निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम यह सुन रहें है और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र है.....। क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहां पृथक निर्वाचिका हो? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा। लेकिन इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब नहीं होगा। इसलिए मैं कहता हूँ कि यह सिर्फ मेरे भले की बात नहीं है बल्कि आपका भला भी इसी में है कि हम अतीत को भूल जाएँ। एक दिन हम एकजुट हो सकते हैं... । अंग्रेज तो चले गए मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए है। हम इस शरारत को और बढ़ाना

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

नही चाहते। (सुनिए, सुनिए)। जब अंग्रेजो ने यह विचार पेश किया था जो उन्होने यह उम्मीद नही की थी कि उन्हें इतनी जल्दी भागना पड़ेगा। उन्होने तो अपने शासन की सुविधा के लिए यह किया था। खैर, कोई बात नहीं। मगर अब वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं। अब हम इससे बाहर निकलेंगे या नही?

संविधान सभा बहस खण्ड 5

1. अल्पसंख्यकों ने पृथक निर्वाचन की माँग क्यों की? 2

2. द्वि-राष्ट्र सिद्धांत से क्या अभिप्राय है? 2

3. पृथक निर्वाचिका के लिए सरदार पटेल ने यह क्यों कहा कि 'यह ऐसा विष है जो हमारे देश की पूरी राजनीति में समा चुका हैं।' 2

4. 'फूट डालों व शासन करो' की नीति किस प्रकार अंग्रेजों के लिए लाभकारी साबित हुई? 2

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com